

- SORCERY** : (1) ऐन्द्रजालम् : v. Magic ; (2) माया.
- SORDID** : (1) कृपण (f. णा) : v. Mean, niggardly ; (2) कुत्सित (f. ता) : v. Filthy.
- SORDIDNESS** : (1) कार्पण्यम् : v. Meanness ; कुत्सितता : v. Filthiness.
- SORE** (subs.) : (1) क्षतम्, *when the mind is deeply s.d* : गार्ह क्षते मनसि, Sr. : v. Injury, abscess, hole.
- SORE** (adj.) : (1) स्रज (f. जा=giving pain) ; (2) कष्ट (f. ष्टा=distressing) ; (3) उग्र (f. ग्रा=violent : q.v.) : v. Painful.
- SORE, SORELY** : भृशम् : v. Violently, exceedingly.
- SORENESS** : I. Painfulness : q.v. : स्रजता. II. Intensity, violence : q.v. : तीव्रता.
- SORITES** : निगमनम् (?), N.d.
- SORREL** : (1) चुक्रा (the Indian s.) ; (2) चुक्रः, Wilson.
- SORROW** (subs.) : (1) शोकः, *he who is affected by s. is called a coward* : यं शोकः सममिवति तं कापुरुषमाचक्षते, C. vi. ; (2) शुच्, *should not give way to s.* : शुचो वशं गन्तुं नार्हसि, K. viii. 90. ; (3) सन्तापः (*distress*), *although knowing the cause of your s.* : तव विद्वानपि तापकारणम्, K. viii. 76. ; (4) मन्थुः (ambiguous), *the speed of s. was slackened* : शिथिलीभूतो मन्थुवेगः, C. vii.
- SORROW** (v.) : शोचति (शुच्, c. 1.) : v. To grieve, lament.
- SORROWFUL** : I. Full of sorrow : (1) शोकार्त (f. र्त) ; (2) सशोक (f. का) ; (3) शोकान्वित (f. ता) ; (4) शोकोपहत (f. ता) ; (4) शोकोपसृष्ट (f. ष्टा), and sim. comp.s : v. Also sad. II. Wretched, lamentable : q.v. : शोच्य (f. च्या) or शोचनीय (f. या), परि-, अनु-, सं-.
- SORROWFULLY** : (1) सशोकम् ; (2) by adj.
- SORRY** : I. Grieved, sad : (1) दुःखित (f. ता), *one who is s. sheds tears* : दुःखितस्याश्रुपातः, Ve. iii. ; *it makes me s.* : अदो दुःखाकरोति माम्, Si. ii. 12. ; (2) सन्तप्त, अनु- (f. ष्टा). *To be s.* : v. To repent. *To make s.* : v. To grieve. II. Poor, wretched ; (1) क्षुद्र (f. द्रा) ; (2) कु- in comp. : v. Bad.
- SORT** : I. Subs. : प्रकारः : v. Kind, manner. Ph. : *out of s.s* : fig. : असुख (f. स्था) : v. Unwell. II. Trans. : विन्यस्यति (अस्, c. 4.) : v. To arrange. III. Intrans. : युज्यते (pass. of युज्) : v. To suit.
- SORTER** : विन्यस्तु (f. स्त्री) : v. Arranger.
- SORTIE** : perh. : अवस्कन्दः, *to make a s.* : अवस्कन्दति (स्कन्द, c. 1.), Mal. v.
- SOT, SOTTISH** : I. Drunkard ; q.v. : पानमूढ (f. दा). II. Foolish : q.v. : मूढ (f. दा).
- SOTTISHLY** : expr. by adj.
- SOTTISHNESS** : I. Drunkenness : पानप्रसक्तिः. II. Foolishness : मूढता.
- SOUL** : I. The spiritual part : (1) आत्मन् (m.), *with (their) whole s.* : सर्वात्मनैव, N. xi. 2. ; *you are my s., heart, my life* : त्वमात्मा मे मनः प्राणाः, B. v. ; *individual s.* : प्रत्यगात्मा ; *animating s.* : जीवात्मा ; *rational s.* : चिदात्मा ; *pure (universal) s.* : परमात्मा ; (2) जीवः (animating s.) ; *s. the chief minister of life* : जीवो मुख्यप्राण-सचिवः, S. II. Heart, mind : q.v. : हृदयम्. III. A person : q.v. : not expr., *not a single s. returned* : नैकोऽपि निववृते ; *good s.s* : भद्रमुखाः ; *poor s.* : मन्दमतिः ; etc. IV. Fig., leader, inspirer : (1) जीवनम् (=life : q.v.) ; (2) बलम् (=force : q.v.). V. Essence, chief part : q.v. : सारः. VI. After death : (1) जीवः ; (2) प्रेतः (=dead, departed s.) ; (3) Sometimes not expr., “यागाद्यनुष्ठायिनामेवोत्तरेण पथा गमनम्”, S.
- SOUND** (subs.) : I. Noise : q.v. : (1) शब्दः, *the attribute of s. is applied to object emitting s.s* : शब्दिषु शब्दधर्मश्चर्यते, M.n. on Si. v. 58. ; (2) ध्वनिः, *by the s. of drums* : पटहध्वनिभिः, R. ix. 71. ; (3) नादः, *heart and ear rending s.s* : हृदयश्रोत्रमिन्नादः, Si. ; (4) स्वनः, निः-, emitted s. : स्वनमतुनत, Si. vi. 67. ; (5) ह्रादः, निर्-, s. of kettle-drums : दुन्दुभीनां ह्रादः, Ki. viii. 16. II. Note : q.v. स्वरः. III. Narrow-sea : *सन्धि-सागरः. IV. A fish : सिन्धुः. V. A probe : perh. एषणी.
- SOUND** (v.i.) : (1) ध्वनति, प्र- (ध्वन्, c. 1.), *s.ed making the quarters re-s.* : दध्वान ध्वनयन्नाशाः,